रजिस्ट्री सं. डी. (डी.)-72

REGISTERED No. D. (D)—72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 227] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 17, 1981/अग्रहायण 26, 1903

No 227] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 17, 1981/AGRAHAYANA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1981

संख्या 3/10/81-पब्लिक – राष्ट्रपति को, संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री, श्री कार्तिक उरांव का 8 दिसम्बर 1981 को दुखद निधन का समाचार सुनकर अत्यन्त दुख हुआ है ।

श्री कार्तिक उरांव का जन्म 29 अक्तूबर, 1924 को "कार्तिक अमावस्या" को ग्राम करौंदा, जिला रांची, बिहार में हुआ था—इसलिये उनका 'कार्तिक' नाम रखा गया था । आपने अपनी शिक्षा गुमला से तथा उच्च शिक्षा साइंस कालेज तथा बिहार इंजीनियरिंग कालेज पटना से प्राप्त की थी । आपने इंगलैंड में प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में शिक्षा प्राप्त की तथा लिंकन्स इन, लन्दन में बार एट ला का अध्ययन किया । आपने बिहार सरकार में तथा यू० के० में अनेक इंजीनियरी प्रतिष्ठानों में इंजीनियर के रूप में कार्य किया ।

श्री कार्तिक उरांव 1967 में चौथी लोक सभा के लिए निर्वाचित हो जाने पर पहली बार संसद सदस्य बने और पांचवीं लोक सभा (1971-77) के लिये फिर से निर्वाचित हुए । जून, 1977 से जनवरी, 1980 तक बिहार विधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य करने के बाद वे जनवरी, 1980 में लोहारडगा सुरक्षित (अनुसूचित जन जाति) निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के लिए फिर से निर्वाचित किये गये । आपको 14 जनवरी, 1980 से पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था और आपने 9 जून, 1980 को संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला ।

श्री उरांव को अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के कल्याण में गहरी रुचि थी और राज्य तथा केन्द्र दोनों में, उनके विकास तथा कल्याण दोनों से संबंधित अनेक समितियों तथा निकायों से आपका संबंध था । आपने रांची विश्वविद्यालय की सीनेट तथा सिंडिकेट में तथा अनेक अन्य सरकारी नियुक्तियों में विशिष्टता के साथ कार्य किया । इसके अतिरिक्त आप एक महान खेल प्रेमी थे । आपने विदेशों में काफी भ्रमण किया था और यूरोप, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया तथा यू०ए०आर० (अब मिस्र अरब गणराज्य) में अनेक देशों का दौरा किया था ।

मंत्री के रूप में श्री उरांव ने पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य किया और सतत रूप से राष्ट्र की सेवा की । आपके निधन से भारत सरकार और जनता को भारी क्षति हुई है ।

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi, the 9th December, 1981

No. 3/10/81-Public.—The President has learnt with profound regret of the sad demise of Shri Kartik Oraon, Minister of State in the Ministry of Communications on the 8th December, 1981.

Shri Kartik Oraon was born in Village Karaunda, District Ranchi, Bihar on "Kartik Amavasya" on 29th October, 1924—hence the name 'Kartik'. He had his schooling in Gumla and higher education in Science College and Bihar College of Engineering, Patna. He pursued a course in technology in England and studied for Bar-at-Law at the Lincoln's Inn, London. He served as an Engineer in the Bihar Government and in several Engineering establishments in the United Kingdom.

Shri Kartik Oraon entered Parliament in 1967 after his election to the Fourth Lok Sabha and was elected again to Fifth Lok Sabha (1971—1977). After serving as a Member of the Bihar Legislative Assembly from June, 1977 to January, 1980, he was again returned to the Lok Sabha from the Lohardaga reserved (Scheduled Tribe) constituency in January, 1980. He was appointed as Minister of State in the Ministry of Tourism and Civil Aviation from 14th January, 1980, and took over as Minister of State in the Ministry of Communications on 9th June, 1980.

Shri Oraon had an abiding interest in the welfare of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and was associated with several committees and bodies concerned with their development and welfare both in the State and at the Centre. He served with distinction on the Senate and Syndicate of Ranchi University and on a variety of other public assignments. Besides he was a keen sportsman. He had travelled widely having visited several countries in Europe, Africa, Australia and the U.A.R. (now Arab Republic of Egypt).

As a Minister, Shri Oraon worked with dedication and served the country unremittingly. His death has caused a grievous loss to the Government and people of India.

T. N. CHATURVEDI, Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1981